विद्याभवन , बालिका विद्यापीठ, लक्खीसराय

रूपम कुमारी , वर्ग-दशम् , विषय-हिन्दी.

दिनांक- २३/५/२०

|| अध्ययन-सामग्री ||

आओ जानें..... आप अपनी तुलना दूसरों से ना करें ,क्योंकि सूरज और चंद्रमा दोनों ही चमकते हैं लेकिन अपने- अपने समय पर; तथा दोनों की अहमियत अलग-अलग होती है । लेकिन दोनों ही संसार के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं । आप हमेशा याद रखें कि आप में कुछ ऐसा है जो किसी दूसरे में नहीं है । उस खास उनको टटोलें, पहचानें ।यह आपको खुद ही करना होगा ।यह कार्य आपके माता-पिता और शिक्षक भी आपके लिए नहीं कर सकते । अब आप इस योग्य हो चुके हैं कुछ

देर खुद के अंदर एकांत होकर अपनी खासियत को जानें और उसे खिलने का मौका दें।

वार्तालाप: कल तो आपने सीसीए के तहत दी गई एक्टिविटीज के जरिए खूब मजे किए होंगे। आज से फिर किताबें खोल लें और कृतिका पाठ -1 'माता का अंचल' को निकालें। हम आज यहां से पढ़ेंगे 👇👇

थोड़ी देर में मिठाई की दुकान बढ़ा कर हम लोग घरौंदा बनाते थे। धूल की मेड़ और दीवार बनती थी एवं तिनकों का छप्पर। दातुन के खंभे, दियासलाई की पेटियों के किवाड़ ,मुहड़े की चूल्हा -चक्की, दिए की कड़ाही और बाबू जी की पूजा वाली आचमनी की कलछी बनती थी। पानी के घी ,धूल

के पिशान और बालू की चीनी से हम लोग ज्योनार तैयार करते थे । हमीं लोग ज्योनार करते और हमीं लोगों की ज्योनार बैठती थी । जब पंगत बैठ जाती थी तब बाबूजी भी धीरे से आकर पाँत के अंत में जीमने के लिए बैठ जाते थे । उनको बैठता देखते ही हम लोग हंसकर घरौंदा बिगाड़ कर भाग चलते थे । वह भी हंसते- हंसते लोटपोट हो जाते और कहने लगते फिर कब भोज होगा भोलानाथ ?

कभी-कभी हम लोग बारात का भी जुलूस निकालते थे । कनस्तर का तंबूरा बजता, अमोले को घिसकर शहनाई बजाई जाती, टूटे चूहे दानी की पालकी बनती; हम समधी बनकर बकरे पर चढ़ लेते और चबूतरे की एक कोने से लिपे आम और केले की टहनियों से

सजाए हुए छोटे आंगन में कूल्हिये का कलसा रखा रहता था । वहीं पहुंचकर बारात फिर लौट आती थी । लौट आने पर बाबूजी ज्योंही और ओहार उघारकर दुल्हिन का मुख निरखने लगते त्यों हम लोग हंस कर भाग जाते थे ।

शेष कल .....

शब्दार्थ: -

- अमोले -आम का उगता हुआ पौधा
- ओहार – परदे के लिए डाला हुआ
- कपड़ा कसोरे -चिट्टी का बना कटोरा
-

गृहकार्य :

- पाठ में से देशज शब्दों को चुनकर लिखिए ।

- ***लेखक के द्वारा बालपन में बरात की तैयारी किस प्रकार की होती थी ? विस्तार से लिखें ।***
- ***भोज किस प्रकार होता था? लिखें ।***
- ***पाठ को पढ़कर समझें व उसे कॉपी में लिखें ।***

फिर मिलेंगे....